NEWSLETTER

शनिवार, 20 जुलाई 2024 | वॉल्यूम - 107

NEWS | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

उत्तर भारत में कपास का रकबा 6 लाख हेक्टेयर घटा, पंजाब में सबसे ज्यादा गिरावट

GOLD :73016
SILVER : 89675
CRUDE OIL : 6609

उत्तर भारत में कपास का रकबा 6 लाख हेक्टेयर घटा, पंजाब में सबसे ज्यादा गिरावट

उत्तर भारत, खास तौर पर पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसान कीटों के हमले और पानी की समस्या के कारण कपास की जगह धान की खेती कर रहे हैं। मानसा जिले के बुर्ज कलां के किसान हरपाल सिंह ने लगातार कीटों की समस्या के कारण अपनी कपास की खेती 5 एकड़ से घटाकर 2 एकड़ कर दी और धान की खेती करने लगे। इसी तरह, उसी गांव के सतपाल सिंह ने ज़्यादा गारंटी वाले बाज़ार के लिए अपनी पूरी 3.5 एकड़ ज़मीन पर धान की खेती कर दी।

फाजिल्का जिले में तलविंदर सिंह को अपनी 5 एकड़ कपास पर पिंक बॉलवर्म के हमले का सामना करना पड़ा और उन्होंने 1 एकड़ में धान की PR 126 किस्म की फसल लगाई है, जो जल्दी पक जाती है। कपास से धान की खेती करने का यह चलन पंजाब के मालवा क्षेत्र में व्यापक है, जो कीटों के संक्रमण और अविश्वसनीय जल स्रोतों के कारण है।

जुलाई की शुरुआत तक पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में कपास की कुल खेती पिछले साल के 16 लाख हेक्टेयर से घटकर 10.23 लाख हेक्टेयर रह गई है। पंजाब में कपास की खेती का रकबा 1980 और 1990 के दशक के 7.58 लाख हेक्टेयर से घटकर 97,000 हेक्टेयर रह गया है। इसी तरह राजस्थान में कपास की खेती का रकबा पिछले साल के 8.35 लाख हेक्टेयर से घटकर इस साल 4.75 लाख हेक्टेयर रह गया है, जबकि हरियाणा में यह रकबा 5.75 लाख हेक्टेयर से घटकर 4.50 लाख हेक्टेयर रह गया है। पंजाब के कुछ जिलों में कपास की खेती में उल्लेखनीय कमी देखी गई है: फाजिल्का में कपास की खेती का रकबा पिछले साल के 92,000 हेक्टेयर से घटकर 50,341 हेक्टेयर रह गया, मुक्तसर में 19,000 हेक्टेयर से घटकर 9,830 हेक्टेयर रह गया, बठिंडा में 28,000 हेक्टेयर से घटकर 13,000 हेक्टेयर रह गया और मानसा में 40,250 हेक्टेयर से घटकर 22,502 हेक्टेयर रह गया।

पिंक बॉलवर्म और व्हाइटफ्लाई के कीटों के हमले, साथ ही पानी की उपलब्धता की समस्याएँ, इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारक हैं। पिंक बॉलवर्म कपास के रेशे और बीजों को नुकसान पहुँचाता है, जबकि व्हाइटफ्लाई पत्तियों के रस को खाती है। बेहतर पानी की उपलब्धता के कारण, किसान धान को प्राथमिकता देते हैं, जिसका बाज़ार पक्का है और यह कीटों के हमलों से काफी हद तक मुक्त है।

साउथ एशिया बायोटेक्नोलॉजी सेंटर (SABC) के संस्थापक निदेशक भागीरथ चौधरी इस बदलाव का श्रेय मुख्य रूप से पिंक बॉलवर्म के संक्रमण को देते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में कपास का रकबा अब 1 लाख हेक्टेयर से कम रह गया है और किसानों में कीटों के प्रति जागरूकता और नियंत्रण तंत्र की कमी है। किसानों को शिक्षित करने के लिए राज्य सरकार के अपर्याप्त प्रयासों ने भी कपास की खेती में गिरावट में योगदान दिया है।

अबोहर के झुररखेड़ा गांव के हरपिंदर सिंह ने कीटों की मौजूदा चिंताओं और धान के लिए अपर्याप्त नहरी पानी पर प्रकाश डाला। फाजिल्का में बीकेयू राजेवाल के अध्यक्ष सुखमंदर सिंह ने सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बीटी2 कपास के बीजों की खराब गुणवत्ता की आलोचना की। गिद्दरांवाली गांव के दर्शन सिंह और भैणीबाघा गांव के राम सिंह ने भी बेहतर बाजार संभावनाओं और पानी की उपलब्धता का हवाला देते हुए क्रमशः धान और ग्वार (क्लस्टर बीन) उगाना शुरू कर दिया है।

कपास की खेती में कमी और अन्य फसलों की ओर रुख उत्तर भारतीय किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाता है, जिसमें कीटों का हमला और पानी की कमी शामिल है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 20.07.2024			
ICE COTTON			
MONTH	12.07.24	19.07.24	WEEKLY CHANGE
DEC	71.27	70.70	-0.57
MAR'25	73.10	72.62	-0.48
MAY	74.47	74.10	-0.37
MCX (COTTON)			
JULY	57900	56540	-1360
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1613	1611	-2
NCDEX (COCUD KHAL)			
JULY	2988	2866	-122
AUG	3073	2945	-128
SEPT	3190	3073	-117
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.54	83.66	0.12
PAK (Pakistani Rupee)	278.555	278.29	-0.265
CNY (Chinese yuan)	7.25002	7.26952	0.0195
BRAZIL (Real)	5.43090	5.59942	0.16852
AUSTRALIAN Dollar	1.47462	1.49614	0.02152
MALAYSIAN RINGGITS	4.66901	4.68729	0.01828
COTLOOK "A" INDEX	81.50	82.20	0.7
BRAZIL COTTON INDEX	75.56	72.14	-3.42
USDA SPOT RATE	60.53	62.30	1.77
MCX SPOT RATE	58000	57940	-60
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18300	18000	-300
GOLD ($)	2416.10	2402.80	-13.3
SILVER ($)	31.030	29.405	-1.625
CRUDE ($)	82.18	78.60	-3.58

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 0.57 सेंट तक गिरे , वही मार्च 0.48 एवं मई 0.37 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में जुलाई माह के लिए 1360 रुपऐ की गिरावट देखी गई।

NCDEX पर कपास के भाव 2 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव में जुलाई माह 122 रुपए, अगस्त माह 128 रुपए, सितम्बर माह 117 रुपए प्रति क्विंटल तक गिरावट दर्ज की गई।
अन्य देशों कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, USDA स्पॉट रेट 1.77 सेंट बढ़ा, MCX स्पॉट में 60 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट रही।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	15.07.24	16.07.24	17.07.24	18.07.24	19.07.24	20.07.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	500	500	500	500	500	500
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	500	500	500	500	500	500
GUJRAT	3,800	3,200	3,200	3,200	3,200	3,200
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	200	200
MAHARASHTRA	9,000	7,000	8,000	8,000	6,000	5,000
CENTRAL ZONE	12,800	10,200	11,200	11,200	9,400	8,400
KARNATAKA	1,000	800	1,200	1,200	1,400	1,200
ANDHRA PRADESH	1,200	1,500	1,000	1,200	1,000	800
TELANGANA	700	1,000	700	800	500	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,900	3,300	2,900	3,200	2,900	2,300
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	16,200	14,000	14,600	14,900	12,800	11,200
ARRIVAL IN 170 Kg.						

गुजरात के कपड़ा व्यापारियों ने नए कर नियमों के बीच 100 दिन की भुगतान सीमा तय की

कपड़ा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव में, गुजरात के व्यापारी आयकर अधिनियम की धारा 43बी(एच) की शुरूआत के बाद नए भुगतान मानदंडों को लागू करने के लिए कमर कस रहे हैं। इस बदलाव ने क्रेडिट अवधि को कम करने के लिए सामूहिक कदम उठाने को प्रेरित किया है, जिसमें अधिकांश व्यापारी भुगतान चक्र को 100 दिनों पर सीमित करने पर सहमत हुए हैं, जो पहले 180-दिन की अवधि थी।

हालांकि, यह बदलाव अपनी चुनौतियों के बिना नहीं है। कई व्यापारी सरकार द्वारा सुझाए गए 45-दिवसीय भुगतान चक्र को तुरंत अपनाने की कठिनाई पर चिंता व्यक्त करते हैं। एक समझौते के रूप में, उद्योग ने 100-दिन की सीमा से शुरू करते हुए चरणबद्ध दृष्टिकोण का विकल्प चुना है।

मस्कती कपड़ मार्केट महाजन के अध्यक्ष गौरांग भगत ने इस कदम के पीछे के तर्क पर प्रकाश डाला: "हमने हाल के वर्षों में कपड़ा क्षेत्र में धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि देखी है। 180 दिनों तक का विस्तारित भुगतान चक्र इन धोखाधड़ी गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। क्रेडिट अवधि को 100 दिनों से कम करके, हमारा लक्ष्य इस जोखिम को कम करना है।"*

धोखाधड़ी से बचाव के लिए उद्योग अतिरिक्त कदम भी उठा रहा है। मस्कती महाजन के सचिव नरेश शर्मा ने बताया कि व्यापारियों को केवल पंजीकृत दलालों के साथ काम करने की सलाह दी गई है। शर्मा ने बताया, "यह उपाय हमें चूक के मामले में सहायता प्रदान करने की अनुमति देगा।" उन्होंने कहा कि व्यापारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है कि उनके दलाल ठीक से पंजीकृत हों।

कपड़ा व्यापार समुदाय द्वारा यह सक्रिय दृष्टिकोण नियामक परिवर्तनों के अनुकूल होने के साथ-साथ उद्योग के भीतर लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को संबोधित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे क्षेत्र इन नए मानदंडों को अपनाएगा, व्यापार संचालन और धोखाधड़ी की रोकथाम पर प्रभाव उद्योग पर्यवेक्षकों और नीति निर्माताओं द्वारा समान रूप से बारीकी से देखा जाएगा।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

मानसा, फाजिल्का और अबोहर में कपास पर पिंक बॉलवर्म का हमला, किसान चिंतित

मानसा, फाजिल्का और अबोहर इलाकों में खतरनाक पिंक बॉलवर्म ने कपास की फसल को नुकसान पहुंचाया है, जिससे राज्य कृषि विभाग में चिंता बढ़ गई है।

बांग्लादेश और वियतनाम अगले दशक में वैश्विक कपास की खपत में वृद्धि का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं

OECD-FAO कृषि आउटलुक 2024-2033 के अनुसार, बांग्लादेश और वियतनाम अगले दशक में कपास की खपत और व्यापार में वैश्विक वृद्धि का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, जो उनके प्रतिस्पर्धी श्रम और उत्पादन लागतों की बदौलत है।

कपास सीजन के खत्म होने के साथ ही भारतीय कताई मिलें सतर्क हो गई हैं

भारत में कताई मिलें चालू सीजन के खत्म होने के साथ ही कपास की खरीद में सावधानी बरत रही हैं, ताकि नकदी की समस्या से बचा जा सके।

वित्त वर्ष 2025 में घरेलू कपास यार्न की मांग में सुधार की उम्मीद: ICRA

ICRA ने वित्त वर्ष 2025 में घरेलू कपास कताई उद्योग के लिए 6-8% की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो दो वर्षों की गिरावट के बाद 4-6% की मात्रा वृद्धि और मामूली प्राप्ति लाभ से प्रेरित है।

मानसून के पुनः सक्रिय होने के बाद भारतीय किसान गर्मी की फसलें लगाने में जुटे

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून में कम बारिश के बाद जुलाई में औसत से अधिक मानसूनी बारिश के चलते भारतीय किसानों ने धान, सोयाबीन, कपास और मक्का जैसी गर्मी की फसलें लगाने में तेजी ला दी है।

इस सप्ताह, रुई बाजार में स्थिरता वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में स्थिरता वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब 25 रुपए प्रति मंड तक की गिरावट देखीं गई, वही हरियाणा और अपर राजस्थान में स्थिरता रही।

सेंट्रल झोन के मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र राज्य में स्थिरता रही।

साउथ झोन के ओड़िशा, तेलंगाना राज्य में 400 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखीं गई। जबकि कर्णाटक, आँध्रप्रदेश राज्य में स्थिरता रही।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 20.07.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	15.07.2024		20.07.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,950	5,975	5,925	5,950	-25
HARYANA	27.5/28	5,825	5,825	5,825	5,825	0
UPPER RAJASTHAN	28	5,650	5,975	5,675	5,975	0
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,800	58,200	56,800	58,200	0
MADHYA PRADESH	29	58,000	58,500	58,000	58,500	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,000	58,500	58,000	58,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,300	59,400	58,800	59,000	-400
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,200	58,000	58,200	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	58,700	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,300	59,900	59,000	59,500	-400
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 20 July 2024 | Volume - 107

NEWS | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

North India's Cotton Area Drops by 6 Lakh Hectares, with Punjab Seeing the Deepest Dip

GOLD :73016
SILVER : 89675
CRUDE OIL : 6609

North India's Cotton Area Drops by 6 Lakh Hectares, with Punjab Seeing the Deepest Dip

Farmers in North India, especially in Punjab, Haryana, and Rajasthan, are increasingly switching from cotton to paddy due to pest attacks and water issues. Harpal Singh, a farmer from Burj Kalan in Mansa district, reduced his cotton cultivation from 5 acres to 2 acres, opting for paddy due to frequent pest problems. Similarly, Satpal Singh from the same village transitioned all 3.5 acres of his land to paddy for a more guaranteed market.

In Fazilka district, Talwinder Singh faced a pink bollworm attack on his 5 acres of cotton and has already replanted 1 acre with the PR 126 variety of paddy, which matures quickly. This trend of shifting from cotton to paddy is widespread in the Malwa region of Punjab, driven by pest infestations and unreliable water sources.

As of early July, the total area under cotton in Punjab, Haryana, and Rajasthan has dropped to 10.23 lakh hectares from 16 lakh hectares last year. In Punjab, the cotton area fell drastically to 97,000 hectares, a sharp decline from up to 7.58 lakh hectares in the 1980s and 1990s. Similarly, Rajasthan's cotton area reduced from 8.35 lakh hectares last year to 4.75 lakh hectares this year, and Haryana's from 5.75 lakh hectares to 4.50 lakh hectares.

Specific districts in Punjab have seen significant reductions: Fazilka's cotton area decreased to 50,341 hectares from 92,000 hectares last year, Muktsar to 9,830 hectares from 19,000 hectares, Bathinda to 13,000 hectares from 28,000 hectares, and Mansa to 22,502 hectares from 40,250 hectares.

Pest attacks by pink bollworm and whitefly, coupled with water availability issues, are major factors behind this shift. Pink bollworm damages the cotton lint and seeds, while whiteflies feed on the sap of the leaves. With better water availability, farmers prefer paddy, which has a guaranteed market and is largely free from pest attacks.

Bhagirath Choudhary, founder director of the South Asia Biotechnology Centre (SABC), attributes this shift primarily to the pink bollworm infestation. He notes that Punjab's cotton area is now below 1 lakh hectares, and farmers lack awareness and control mechanisms for the pest. The state government's inadequate efforts to educate farmers have also contributed to the decline in cotton cultivation.

Harpinder Singh of Jhurarkhera village in Abohar highlighted ongoing pest concerns and insufficient canal water for paddy. Sukhmander Singh, president of BKU Rajewal in Fazilka, criticized the poor quality of BT2 cotton seeds provided by the government. Darshan Singh of Giddranwali village and Ram Singh of Bhainibagha village have also switched to growing paddy and guar (cluster bean) respectively, citing better market prospects and water availability.

The reduction in cotton cultivation and the shift to other crops reflect the challenges faced by North Indian farmers, including pest attacks and water scarcity

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 20.07.2024			
ICE COTTON			
MONTH	12.07.24	19.07.24	WEEKLY CHANGE
DEC	71.27	70.70	-0.57
MAR'25	73.10	72.62	-0.48
MAY	74.47	74.10	-0.37
MCX (COTTON)			
JULY	57900	56540	-1360
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1613	1611	-2
NCDEX (COCUD KHAL)			
JULY	2988	2866	-122
AUG	3073	2945	-128
SEPT	3190	3073	-117
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.54	83.66	0.12
PAK (Pakistani Rupee)	278.555	278.29	-0.265
CNY (Chinese yuan)	7.25002	7.26952	0.0195
BRAZIL (Real)	5.43090	5.59942	0.16852
AUSTRALIAN Dollar	1.47462	1.49614	0.02152
MALAYSIAN RINGGITS	4.66901	4.68729	0.01828
COTLOOK "A" INDEX	81.50	82.20	0.7
BRAZIL COTTON INDEX	75.56	72.14	-3.42
USDA SPOT RATE	60.53	62.30	1.77
MCX SPOT RATE	58000	57940	-60
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18300	18000	-300
GOLD ($)	2416.10	2402.80	-13.3
SILVER ($)	31.030	29.405	-1.625
CRUDE ($)	82.18	78.60	-3.58

This week, the international market witnessed a decline.

Intercontinental Cotton Exchange prices fell by 0.57 cents in December, 0.48 cents in March and 0.37 cents in May.

Cotton prices on the Indian market MCX fell by Rs 1360 for the month of July.

Cotton prices on NCDEX fell by Rs 2 per 20 kg, while the price of oil cake fell by Rs 122 in July, Rs 128 in August and Rs 117 per quintal in September.

If we look at the cotton market in other countries, Cotlook "A" index saw a decline, USDA spot rate increased by 1.77 cents, MCX spot prices fell by Rs 60 per candy.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	15.07.24	16.07.24	17.07.24	18.07.24	19.07.24	20.07.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	500	500	500	500	500	500
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	500	500	500	500	500	500
GUJRAT	3,800	3,200	3,200	3,200	3,200	3,200
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	200	200
MAHARASHTRA	9,000	7,000	8,000	8,000	6,000	5,000
CENTRAL ZONE	12,800	10,200	11,200	11,200	9,400	8,400
KARNATAKA	1,000	800	1,200	1,200	1,400	1,200
ANDHRA PRADESH	1,200	1,500	1,000	1,200	1,000	800
TELANGANA	700	1,000	700	800	500	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,900	3,300	2,900	3,200	2,900	2,300
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	16,200	14,000	14,600	14,900	12,800	11,200
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Gujarat Textile Traders Set 100-Day Payment Limit Amid New Tax Regulations

In a significant shift for the textile industry, traders in Gujarat are gearing up to implement new payment norms following the introduction of Section 43B(H) of the Income Tax Act. This change has prompted a collective move to reduce credit periods, with most traders agreeing to cap the payment cycle at 100 days, down from the previous 180-day window.

The transition, however, is not without its challenges. Many traders express concern over the difficulty of immediately adopting the government-suggested 45-day payment cycle. As a compromise, the industry has opted for a phased approach, starting with the 100-day limit.

Gaurang Bhagat, president of Maskati Kapad Market Mahajan, highlighted the rationale behind this move: "We've witnessed an uptick in fraud cases within the textile sector over recent years. The extended payment cycle of up to 180 days has been a significant factor in these fraudulent activities. By reducing the credit period to under 100 days, we aim to mitigate this risk."*

The industry is also taking additional steps to safeguard against fraud. Naresh Sharma, secretary of the Maskati Mahajan, revealed that traders have been advised to work exclusively with registered brokers. "This measure will allow us to provide assistance in case of defaults," Sharma explained. He added that traders have been encouraged to ensure their brokers are properly registered.

This proactive approach by the textile trading community demonstrates a commitment to adapting to regulatory changes while simultaneously addressing long-standing issues within the industry. As the sector navigates these new norms, the impact on business operations and fraud prevention will be closely watched by industry observers and policymakers alike.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Pink bollworm attacks cotton in Mansa, Fazilka and Abohar, farmers worried

The dreaded pink bollworm has damaged cotton crops in Mansa, Fazilka and Abohar areas, raising concerns in the state agriculture department.

Bangladesh and Vietnam set to lead global cotton consumption growth in the next decade

According to the OECD-FAO Agricultural Outlook 2024-2033, Bangladesh and Vietnam are set to lead global growth in cotton consumption and trade in the next decade, thanks to their competitive labour and production costs.

Indian spinning mills turn cautious as cotton season ends

Spinning mills in India are being cautious in cotton procurement as the current season ends, to avoid cash crunch.

Domestic cotton yarn demand expected to improve in FY25: ICRA

ICRA forecasts 6-8% growth for the domestic cotton spinning industry in FY25, driven by 4-6% volume growth and modest realisation gains after two years of decline.

Indian farmers rush to plant summer crops after monsoon revival

Indian farmers have rushed to plant summer crops such as paddy, soybean, cotton and maize following above-average monsoon rains in July after deficient rains in June, according to government data.

This week, the cotton market witnessed a stable environment.

This week, the cotton market witnessed a stable environment.

North Zone's Punjab witnessed a decline of up to Rs 25 per candy, while Haryana and Upper Rajasthan remained stable.

Central Zone's Madhya Pradesh, Gujarat, Maharashtra states remained stable.

South Zone's Odisha, Telangana states witnessed a decline of Rs 400 per candy. While Karnataka, Andhra Pradesh states remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 20.07.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	15.07.2024		20.07.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,950	5,975	5,925	5,950	-25
HARYANA	27.5/28	5,825	5,825	5,825	5,825	0
UPPER RAJASTHAN	28	5,650	5,975	5,675	5,975	0
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,800	58,200	56,800	58,200	0
MADHYA PRADESH	29	58,000	58,500	58,000	58,500	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,000	58,500	58,000	58,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	59,300	59,400	58,800	59,000	-400
KARNATAKA	29.5+	58,000	58,200	58,000	58,200	0
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	58,500	59,000	58,700	59,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,300	59,900	59,000	59,500	-400
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						